



Department of Political Science
SSJDWSSS Govt. P. G. College
Ranikhet (Almora)

E-Mail: polsciencerranikhet@gmail.com

Date: 22 November 2024

REPORT OF THE EVENT
SPEECH COMPETITION
ONE NATION, ONE ELECTION

On 22nd November 2024, the Political Science Departmental Council of SSJDWSSS Government P.G. College, Ranikhet, hosted an enlightening and engaging **Speech Competition** on the topic of "One Nation One Election". This event was part of the college's ongoing initiative to encourage political awareness and critical thinking among students about contemporary political issues in India.

The competition attracted enthusiastic participation from students across various classes, and the theme of the speech competition was designed to give students a platform to present their views on the proposal of holding simultaneous elections at the national, state, and local levels.

INAUGURAL SESSION:

The debate competition was inaugurated by **Dr. Brijesh Kumar Joshi**, Head of the Political Science Department, who welcomed the participants and attendees. In their address, Dr. Joshi highlighted the significance of the topic, acknowledging that "One Nation One Election" is a highly debated issue in Indian politics. He stressed the importance of students engaging with such contemporary political topics to develop a well-rounded understanding of the functioning of the Indian democracy. In his presidential address, Principal Professor Pushpesh Pandey said that 'One Nation, One Election' is a develop-oriented idea. He said that there is a need to run a comprehensive election reform campaign to take out of the maze of elections.

The competition format was outlined, where each participant was given a limited amount of time to present their speech. The speeches were judged based on clarity of thought, argument structure, effective communication, and the ability to engage the audience with compelling points.

KEY SPEECHES AND HIGHLIGHTS:

The **Speech Competition** was marked by the passionate and insightful presentations of the participants, who expressed diverse perspectives on the topic.

Participants in Favour of "One Nation One Election":

- One of the major arguments in favour of "One Nation One Election" was that it could lead to a more streamlined electoral process, which would help reduce political instability. Many

participants highlighted the potential for reducing the enormous costs associated with conducting elections at multiple levels. Supporters argued that by consolidating elections, voter turnout could potentially improve. Voters, particularly in rural and remote areas, might find it more convenient to vote in a single election rather than participating in multiple voting cycles.

Participants Opposing "One Nation One Election":

- Several participants raised concerns that the proposal would undermine regional autonomy by potentially nationalizing local issues. Some participants emphasized the logistical challenges of conducting elections at multiple levels simultaneously. Another argument raised against "One Nation One Election" was that it might interfere with India's federal structure. Some participants pointed out that holding simultaneous elections might disrupt the five-year electoral cycle and create complications in future election timings.

RESULT AND RECOGNITION:

After all participants had presented their speeches, the **Judges' Panel**, consisting of **Dr. Deepa Pandey**, **Dr. Parul Bharadwaj**, and **Dr. Himani Negi**, evaluated the speeches based on their content, delivery, and engagement. Dr. Deepa Pandey & Dr. Barkha Rautela praised the participants for their critical thinking, clarity of expression, and ability to provide a nuanced understanding of the topic. The results of the competition were announced by Dr. Deepa Pandey, the in charge of Zoology Department and the prizes were distributed by the college Principal Professor Pushpesh Pandey.

The winners of the competition were announced as follows:

- **First Prize:** Mansi Fuloriya, for a powerful and well-researched argument in favor of "One Nation One Election," focusing on efficiency and cost-effectiveness.
- **Second Prize:** Geetanjali Joshi, for presenting a balanced speech with a clear understanding of both the pros and cons of the proposal.
- **Third Prize:** Paras Adhikari, for his articulate and engaging opposition to the proposal, highlighting regional concerns and federal challenges.
- **Consolation Prize:** Suman, for presenting a clear understanding of both the pros and cons of the proposal.

The competition was well-received, and the audience was captivated by the thought-provoking speeches, which provided diverse viewpoints on a topic that is highly relevant in today's political discourse.

VOTE OF THANKS:

The event concluded with a **Vote of Thanks** by the **Co-Convenor of the Political Science Departmental Council**, **Dr Pooja Bohra**, who expressed gratitude to the participants for their excellent contributions, the Principal, judges for their time and expertise, and the audience for their active engagement. Special appreciation was extended to Dr. Mohit Joshi for his meticulous planning and execution of the event.











अन्योद्घात उत्तराखण्ड कुमाऊँ खबरें शिक्षा

एक राष्ट्र, एक चुनाव ' देश के विकास हेतु आवश्यक

₹27.14▼



By Shankar Phulara

NOV 22, 2024

रानीखेत। स्व. श्री जयदत्त वैला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत, अल्मोड़ा में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद द्वारा आज दिनांक 22 नवंबर 2024 को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का प्रारंभ करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ० बृजेश कुमार जोशी ने विषय का संक्षिप्त परिचय देते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों ने अपने वक्तव्य में भारतीय शासन व्यवस्था में एक राष्ट्र, एक चुनाव की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए एक चुनाव बहुत जरूरी है।

वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में प्रतिवर्ष देश के किसी न किसी हिस्से में चुनाव चलते रहते हैं जिसमें न केवल अत्यधिक धनराशि का व्यय होता है अपितु समस्त शासन-प्रशासन चुनाव कार्यों में व्यस्त रहता है, जो कि कहीं न कहीं देश के विकास को प्रभावित करता है।

वहीं कुछ वक्ताओं ने एक देश, एक चुनाव के नकारात्मक पहलू पर भी अपने विचार रखे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो० पुष्पेश पाण्डेय ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' एक विकासोन्मुखी विचार है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के चक्रव्यूह से देश को निकालने के लिए एक व्यापक चुनाव सुधार अभियान चलाने की आवश्यकता है। इतिहास विभाग प्रभारी डॉ० दीपा पाण्डे तथा अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ० बरखा रौतेला ने प्रतियोगिता का फीडबैक देते हुए अपने वक्तव्य से छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में इतिहास विभाग- प्रभारी डॉ० दीपा पाण्डे, अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ० पारुल भारद्वाज एवं अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ० हिमानी नेगी रहे।

प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ० दीपा पाण्डेय तथा पुरस्कार वितरण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० पुष्पेश पाण्डेय द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में बी० ए० प्रथम सेमेस्टर की छात्रा मानसी फुलेरिया ने प्रथम स्थान, बी० ए० पंचम सेमेस्टर की छात्रा गीतांजलि जोशी ने द्वितीय स्थान, बी० ए० प्रथम सेमेस्टर के छात्र पारस अधिकारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा बी० ए० प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुमन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ० पूजा बोहरा ने प्राचार्य प्रो० पुष्पेश पाण्डेय, निर्णायक मंडल के सदस्यों, उपस्थित प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया।

कुमाऊँ

एक देश, एक चुनाव हों

शाह टाइम्स संवाददाता रानीखेत। स्व. जयदत्त वैला राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का प्रारंभ करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी डा. बृजेश कुमार जोशी ने विषय का संक्षिप्त परिचय देते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव के महत्त्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने अपने वक्तव्य में भारतीय शासन व्यवस्था में एक राष्ट्र, एक चुनाव की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए एक चुनाव बहुत जरूरी है। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में प्रतिवर्ष देश के किसी न किसी हिस्से में चुनाव चलते रहते हैं जिसमें न केवल



अत्यधिक धनराशि का व्यय होता है अपितु समस्त शासन-प्रशासन चुनाव कार्यों में व्यस्त रहता है, जो कि कहीं न कहीं देश के विकास को प्रभावित करता है। वहीं कुछ वक्ताओं ने एक देश, एक चुनाव के नकारात्मक पहलू पर भी अपने विचार रखे। प्राचार्य प्रो. पुष्पेश पाण्डे ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव एक विकासोन्मुखी विचार है। उन्होंने कहा कि चुनाव के चक्रव्यूह से देश को निकालने के लिए एक व्यापक चुनाव सुधार

अभियान चलाने की आवश्यकता है। इतिहास विभाग प्रभारी डा. दीपा पाण्डे तथा अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डा. बरखा रौतेला ने प्रतियोगिता का फीडबैक देते हुए अपने वक्तव्य से छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में इतिहास विभाग प्रभारी डा. दीपा पाण्डे, अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डा. पारुल भारद्वाज एवं अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डा. हिमानी

नेगी रहे। प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डा. दीपा पाण्डे तथा पुरस्कार वितरण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पुष्पेश पाण्डे द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा मानसी फुलेरिया ने प्रथम स्थान, बीए पंचम सेमेस्टर की छात्रा गीतांजलि जोशी ने द्वितीय स्थान, बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र पारस अधिकारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुमन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डा. पूजा बोहरा ने विद्यार्थियों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में डा. सत्यमित्र सिंह, डा. नमिता मिश्रा, डा. नीमा बोरा, डा. मोहित जोशी शोधार्थी छात्रा गरिमा थपलियाल आदि मौजूद रहे।